• बाल कविता...

## अब तो खुश हो

*ले आए हम ढेर खिलौने*
*चंचल गुड़िया, नटखट बौने,*
*बौनों के संग–संग मृगछौने–*
*अब तो खुश हो गुड़िया रानी?*
*बोलो, खुश हो गुड़िया रानी!*
*लो यह हाथी, बड़े मजे से*
*दोनों कान हिलाता,*
*यह घोड़ा बटन दबाते*
*दुलकी चाल दिखाता।*
*यह बंदर जो चढ़ा पेड़ पर*
*खों–खों खूब डराता,*
*उछल–उछलकर दो पैरों पर*
*भालू नाच दिखाता।*
*ले लो, ले लो सभी खिलौने*
*अजी, मिठाई के ये दोने,*
*सभी एक से एक सलोने–*
*अब तो खुश हो गुड़िया रानी?*
*बोलो, खुश हो गुड़िया रानी!*
*दूर देश से आई नौका*
*छुक–छुक–छुक पानी पर,*
*लो यह इंजन धुआं उड़ाता*
*दौड़ रहा पटरी पर।*
*प्यारा–सा शाहजादा भी है*
*मोर मुकुट इक पहने,*
*छम–छम परियों के झिलमिल हैं*
*गहने, सुंदर गहने।*
*धनुष–बाण, गुब्बारे*
*पीं–पीं सीटी, चंदा–तारे,*
*ले लो तुम सारे के सारे!*
*ले लो परियां, लो ये बौने–*
*अब तो खुश हो गुड़िया रानी?*
*बोलो, खुश हो गुड़िया रानी!*

■ *प्रकाश मनु*

• चुटकुले...

**मां गुस्से में अपने बेटे से : तू बाल क्यों नहीं कटवाता?**
**बेटा : क्या परेशानी है मां? ये आजकल का फैशन है।**
**मां, गुस्से में : आग लगे इस फैशन को, लड़के वाले तेरी बहन को देखने आए थे तुझे पसंद करके चले गए।**

**पति (फोन पर पत्नी से) – तुम बहुत प्यारी हो...!**
**पत्नी – थैंक्स...! पति– तुम बिल्कुल राजकुमारी जैसी हो...!**
**पत्नी– थैंक्यू सो मच... और बताओ क्या कर रहे हो।**
**पति– खाली बैठा था, सोचा मजाक ही कर लूं...!**

• जानकारी...

## पनडुब्बी का आविष्कार

पनडुब्बी एक प्रकार का पानी में गहराईयों तक जाने वाला जलयान है। क्योकि वह पानी के अन्दर रहकर काम कर सकता है। इसको सबमरीन भी कहा जाता है। यह पानी के निचे और उपर दोनों तरफ चल सकती है।

पनडुब्बी का ज्यादातर इस्तेमाल समंदर की निचे होनेवाली गतिविधियों का पता लगाने के लिए जल सेना

द्वारा किया जाता है। उसमे सवार होकर बहोत दिनों तक पानी के निचे रहा जा सकता है। और आवश्यकता पड़ने पर उसे ऊपर सतह पर लाया जा सकता है।

पनडुब्बी के अन्दर सभी पारदर्शी लगे होते है। जिससे उसके अन्दर बैठे हुए समुद्र के निचे सबकुछ दिखाई देता है। और बहोत ही आधुनिक तरीके के उपकरण लगे होते है। जिससे समुंद्र के ऊपर के द्रश्य भी देखे जाते है।

पनडुब्बी डीझल इंजन या विद्युत मोटर के द्वारा जल के अन्दर चलती है। और परमाणु शक्ति के विकसित हो जाने के कारन अब उसके परिचालन में नाभकीय रीएक्ट का उपयोग होने लगा है। धीरे धीरे अब ये किसी भी देश की नौसेना का विशिष्ट हथियार बन चुकी है।

क्योकि वे पानी के भीतर रहते हुए समस्त सैनिक कार्य करने में सक्षम है। और ये शत्रु के जलयानों पर तारपिडों से आक्रमणों करने में उसका उपयोग किया जाता है। कुछ पनडुब्बियो पर बारह इंच की तोप और एक हवाई जहाज रखने की भी व्यवस्था होती है।

पनडुब्बी के अंदर जीवन के लिए आवश्यक सभी सुविधाए कृत्रिम रूप से उपलब्ध होती है। जैसे सास लेने के लिए कृत्रिम ऑक्सीजन टैंक और कार्बनडायोक्साइड न भर जाए इसके लिए कार्बनडायोकसाईड अवशोषित उपकरण लगे होते है। विश्व की पहली पनडुब्बी एक डच वैज्ञानिक द्वारा सन 1602 में बनाई गई थी। किन्तु उस समय उसे उद्धोउपकरण रूप में नहीं सोचा गया था।औरकोर्नेलुईस डरेबेल नामक होलेन्ड वासी ने उस पनडुब्बी में सुधार किया और उसे ज्यादा गतिशील बनाया। और वो पनडुब्बी लकड़ी की बनी थी और उसपर चमडा मजा गया, इसके अगल बगल दो चप्पू लगे हुए थे। जो इसको डुबाते और निकालते थे।

पहली सैनिक पनडुब्बी टर्टलसन 1775 में बनाई गई थी। इसका प्रसिक्षण सफलता से हो गया। और ये पानी के अन्दर रहकर सभी सैनिक कार्य करने में सक्षम थी।

• पंचतंत्र की कहानी

## संगीतमय गधा

एक धोबी का गधा था। गधे का नाम था-- उद्धत। वह दिन भर कपडों के गट्ठर इधर से उधर ढोने में लगा रहता। धोबी स्वयं कंजूस और निर्दयी था। अपने गधे के लिए चारे का प्रबंध नहीं करता था। बस रात को चरने के लिए खुला छोड देता। निकट में कोई चरागाह भी नहीं थी। शरीर से गधा बहुत दुर्बल हो गया था।

एक रात उस गधे की मुलाकात एक गीदड़ से हुई। गीदड़ ने उससे पूछा 'कहिए महाशय, आप इतने कमजोर क्यों हैं?'

गधे ने दुखी स्वर में बताया कि कैसे उसे दिन भर काम करना पड़ता है।

गीदड़ बोला 'तो समझो अब आपकी भुखमरी के दिन गए। यहां पास में ही एक बडा सब्जियों का बाग है। वहां तरह-तरह की सब्जियां उगी हुई हैं। खीरे, ककड़ियां, तोरई, गाजर, मूली, शलजम और बैंगनों की बहार है। मैंने बाग तोड़कर एक जगह अंदर घुसने का गुप्त मार्ग बना रखा है। बस वहां से हर रात अंदर घुसकर छककर खाता हूं और सेहत बना रहा हूं। तुम भी मेरे साथ आया करो।' लार टपकाता गधा गीदड़ के साथ हो गया।

बाग में घुसकर गधे ने महीनों के बाद पहली बार भरपेट खाना खाया। दोनों रात भर बाग में ही रहे और पौ फटने से पहले गीदड़ जंगल की ओर चला गया और गधा धोबी के पास आ गया।

उसके बाद वे रोज रात को एक जगह मिलते। बाग में घुसते और जी भरकर खाते। धीरे-धीरे गधे का शरीर भरने लगा। वह भुखमरी के दिन बिल्कुल भूल गया। एक रात खूब खाने के बाद गधे की तबीयत अच्छी तरह हरी हो गई। वह झूमने लगा और अपना मुंह ऊपर उठाकर कान फड़फड़ाने लगा। गीदड़ ने चिंतित होकर पूछा 'मित्र, यह क्या कर रहे हो? तुम्हारी तबीयत तो ठीक है?'

गधा आंखें बंद करके मस्त स्वर में बोला 'मेरा दिल गाने का कर रहा हैं। अच्छा भोजन करने के बाद गाना चाहिए। सोच रहा हूं कि ढैंचू राग गाऊं।'

गीदड़ ने तुरंत चेतावनी दी 'न-न, ऐसा न करना गधे भाई। गाने-वाने का चक्कर मत चलाओ। यह मत भूलो कि हम दोनों यहां चोरी कर रहे हैं।'

गधे ने टेढ़ी नजर से गीदड़ को देखा और बोला 'गीदड़ भाई, तुम जंगली के जंगली रहे। संगीत के बारे में तुम क्या जानो?'

गीदड़ ने हाथ जोड़े 'मैं संगीत के बारे में कुछ नहीं जानता। केवल अपनी जान बचाना जानता हूं। तुम अपना बेसुरा राग अलापने की जिद छोड़ो, उसी में हम दोनों की भलाई है।'

गधे ने गीदड़ की बात का बुरा मानकर हवा में दुलत्ती चलाई और शिकायत करने लगा 'तुमने मेरे राग को बेसुरा कहकर मेरी बेइज्जती की है। हम गधे शुद्ध शास्त्रीय लय में रेंकते हैं।'

गीदड़ बोला 'गधे भाई, मैं मूर्ख जंगली सही, पर एक मित्र के नाते मेरी सलाह मानो। अपना मुंह मत खोलो। बाग के चौकीदार जाग जाएंगे।'

गधा हंसा 'अरे मूर्ख गीदड़! मेरा राग सुनकर बाग के चौकीदार तो क्या, बाग का मालिक भी फूलों का हार लेकर आएगा।'

गीदड़ ने चतुराई से काम लिया और हाथ जोड़कर बोला 'गधे भाई, मुझे गलती का अहसास हो गया हैं। तुम महान गायक हो। मैं मूर्ख गीदड़ भी तुम्हारे गले में डालने के लिए फूलों की माला लाना चाहता हूं। मेरे जाने के दस मिनट बाद ही तुम गाना शुरू करना ताकि मैं गायन समाप्त होने तक फूल मालाएं लेकर लौट सकूं।'

गधे ने गर्व से सहमति में सिर हिलाया। गीदड़ वहां से सीधा जंगल की ओर भाग गया। गधे ने उसके जाने के कुछ समय बाद मस्त होकर रेंकना शुरू किया। उसके रेंकने की आवाज सुनते ही बाग के चौकीदार जाग गए और उसी ओर लट्ठ लेकर दौड़े, वहां पहुंचते ही गधे को देखकर चौकीदार बोला 'यही है वह दुष्ट गधा, जो हमारा बाग चर रहा था।'

बस सारे चौकीदार डंडों के साथ गधे पर पिल पडे। कुछ ही देर में गधा पिट-पिटकर अधमरा गिर पड़ा।

*(सीख : अपने शुभचिन्तकों और हितैषियों की नेक सलाह न मानने का परिणाम बुरा होता है।)*

**गीदड़ बोला 'तो समझो अब आपकी भुखमरी के दिन गए। यहां पास में ही एक बडा सब्जियों का बाग है। वहां तरह–तरह की सब्जियां उगी हुई हैं।**

**खीरे, ककड़ियां, तोरई, गाजर, मूली, शलजम और बैंगनों की बहार है। मैंने बाग तोड़कर एक जगह अंदर घुसने का गुप्त मार्ग बना रखा है...**

• रोचक...

## चांद पर उतरेंगे अंतरिक्ष यात्री...

*अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा अपने अंतरिक्ष यात्रियों को एक बार फिर से चांद की सतह पर उतारने की तैयारी में है। पिछले साल आर्टिमिस–1 मिशन लॉन्च किया था। मून मिशन के तहत नासा ने एक्सिओम स्पे को स्पेस सूट बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। इसी कंपनी ने एक स्पेस सूट का प्रोटोटाइप अनवील किया है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो नासा के अंतरिक्ष यात्री इस सूट को पहन कर मून मिशन पर जाएंगे। दरअसल, नासा ने एक्सिओम स्पेस कंपनी को अपने अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेस सूट बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे पहन कर अंतरिक्ष यात्री आने वाले समय में चंद्रमा पर लैंड कर सकते हैं। इस क्रम में एक्सिओम स्पेस ने एक सूट डिजाइन किया है। यह स्पेससूट नासा की उम्मीदों पर खरा उतरा तो नासा इसे अपने मून मिशन के लिए ओके कर सकती है और अंतरिक्ष यात्री इसे पहनकर चंद्रमा पर लैंड करेंगे। नेक्स्ट जेनरेशन स्पेससूट की लॉन्चिंग वीडियो को कंपनी ने यूट्यूब पर भी जारी किया है। एक्सिओम स्पेस के सीईओ माइक सुफ्रेडिनी ने कहा कि कंपनी एक एडवांस्ड स्पेससूट डिजाइन कर नासा के विजन को आगे बढ़ा रही है।*

• बाघों की रक्षा...

**▶▶भारत ने बाघों की रक्षा के लिए अपने नेतृत्व में एक वैश्विक गठबंधन लॉन्च करने का प्रस्ताव दिया है और पांच वर्षों में गारंटीकृत फंडिंग के तौर पर 800 करोड़ रुपये से अधिक के सहयोग करने का वचन दिया है इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस बाघों, शेरों, तेंदुओं, हिम तेंदुओं, प्यूमा, जगुआर और चाइव्स नामक सात बिग कैट के पुनर्वास और संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस गठबंधन में 97 'रेंज' देश सदस्य बन सकेंगे। ये वे देश हैं जिनके पास इन बिग कैट के लिए प्राकृतिक आवास हैं।**